वित्तीय शिक्षण

अभ्यास पुस्तिका

सातवीं कक्षा

वित्तीय शिक्षण अभ्यास पुस्तिका - सातवीं कक्षा हेतु

प्रारूप संस्करण

स्पष्टीकरण

यह पुस्तक पाठक को वित्तीय मामलों के संबंध में साक्षर बनाने के निस्वार्थ प्रयोजनार्थ, अध्ययन एवं अध्यापन के लिए प्रस्तुत की जा रही है। किसी वित्तीय उत्पाद/उत्पादों या सेवा/सेवाओं के संबंध में कोई निर्णय लेने में, पुस्तक की किसी विषय–वस्तु से पाठक को प्रभावित करने का कोई इरादा नहीं है ।

प्रकाशकः सचिव, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
शिक्षा केंद्र, 2, सामुदायिक केंद्र
प्रीत विहार, दिल्ली–110301

रूपरेखा, विन्यानस एवं
मुद्रण : राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षण केंद्र हेतु
राष्ट्रीय प्रतिभूति बाजार संस्थान
भूखण्ड सं. 82,सेक्टर 17, वाशी, नवी मुंबई–400703
फोन : +9122-66735100 | फैक्स : +9122-66735110

वेबसाइट : ncfeindia-org

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण [1]प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को:

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता
प्राप्त कराने के लिए
तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा
[2]और राष्ट्र की एकता और अखंडता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई॰ को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977) से "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977) से "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

भाग 4 क

मूल कर्त्तव्य

51 क. मूल कर्त्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हों, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई उंचाइयों को छू ले;

[1](ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिये शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

---

1. संविधान (छयासीवां संशोधन) अधिनियम, 2002 की धारा 4 द्वारा प्रतिस्थापित।

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a [1]**SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC** and to secure to all its citizens :

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the[2] unity and integrity of the Nation;

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949, do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

---

1. Subs, by the Constitution (Forty-Second Amendment) Act. 1976, sec. 2, for "Sovereign Democratic Republic" (w.e.f. 3.1.1977)
2. Subs, by the Constitution (Forty-Second Amendment) Act. 1976, sec. 2, for "unity of the Nation" (w.e.f. 3.1.1977)

THE CONSTITUTION OF INDIA

Chapter IV A

FUNDAMENTAL DUTIES

ARTICLE 51A

Fundamental Duties - It shall be the duty of every citizen of India-

(a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;

(b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;

(c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;

(d) to defend the country and render national service when called upon to do so;

(e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;

(f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;

(g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wild life and to have compassion for living creatures;

(h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;

(i) to safeguard public property and to abjure violence;

(j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;

[1](k) who is a parent or guardian to provide opportunities for education to his/her child or, as the case may be, ward between age of 6 and 14 years.

---

1. Subs. by the Constitution (Eighty - Sixth Amendment) Act, 2002

भूमिका

छठी से दसवीं कक्षाओं के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के वित्तीय शिक्षण पाठयक्रम की विशेषता उसकी सशक्त गतिशीलता, सतत् विकास और उन्नयन है । इस पाठयक्रम की रचना कार्यमूलक दृष्टिकोण को अपनाते हुए की गई है । मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और आर्थिक परिवर्तनों के मौजूदा परिवेश में समाज, विस्फोटक ज्ञान–सृजन और घातांक रफ्तार से बढ़ती हुई तकनीक से प्रभावित होता है ।

आधारभूत वित्तीय अवधारणाओं की अपनी समझ को बेहतर बनाने और अपने दैनिक जीवन में इन अवधारणाओं का समुचित उपयोग करने के लिए हमें वित्तीय शिक्षण की आवश्यकता है । हमें विभिन्न वित्तीय उत्पादों को जानने और वित्तीय जोखिमों एवं अवसरों से अधिकाधिक परिचित रहने की जरूरत है ताकि हम सभी सुविज्ञ निर्णय ले सकें और उसके परिणामस्ववरूप अपने वित्तीय स्वास्थ में सुधार कर सकें ।

वित्तीय शिक्षण का दर्शन यह है कि विद्यार्थी अपनी आवश्यकता के अनुरूप जीवन में धन की भूमिका, बचत की जरूरत और उपयोग, अपनी बचतों को निवेशों में रूपान्तरित करने, बीमा के माध्यम से सुरक्षा हेतु औपचारिक वित्तीय प्रणाली तथा विभिन्न विकल्पों का प्रयोग करने की समझ प्राप्त कर सकें और वे इन विकल्पों की विशेषताओं के वास्तविक महत्व को जान सकें ।

वित्तीय शिक्षण से हमें, बचत के महत्व और उसके लाभों, ऐसे अनुत्पादक ऋणों से दूर रहने की आवश्यकता, जो हमारी चुकाने की सामर्थ्य के बाहर हों, औपचारिक वित्तीय प्रणाली से उधार लेने, ब्याज की अवधारणा, चक्रवृद्धि ब्याज के प्रभाव, धन के समय–मूल्य, मुद्रा–स्फीति, बीमा की आवश्यकता, वित्तीय क्षेत्र के प्रमुख संस्थानों जैसे मंत्रालयों, विनियामकों, बैंकों, शेयर बाजारों एवं बीमा कंपनियों की भूमिका और जोखिमों तथा पुरस्कारों के बीच संबंध की संकल्पना के बारे में अधिकाधिक जानकारी हासिल करने में मदद मिलेगी।

इसके माध्यम से हम विभिन्न वित्तीय विनियामकों द्वारा प्रदत्त वित्तीय उत्पादों तथा सेवाओं का समुचित मूल्यांकन कर धन का कारगर ढंग से प्रबंध करके स्वयं की और दूसरों की मदद कर सकते हैं।

वित्तीय शिक्षण विशेष रूप से उन लोगों के लिए मददगार होगा जो अभी वित्तीय सेवाओं से वंचित हैं।

इस अभ्यास पुस्तिका का उद्देश्य वित्तीय सेवाओं तक पहुँच, विभिन्न प्रकार के उत्पादों की उपलब्ध ता तथा उनकी विशेषताओं के संबंध में विद्यार्थियों में जागरूकता उत्पन्न करना और वित्तीय सेवाओं के ग्राहक के रूप में उनके अधिकारों एवं दायित्वों को समझाना है।

यह विषय पढ़ाने वाले अध्यापकों को, अपने छात्रों को इसका लाभ देने के लिए पाठ्य–विषय के कारगर उपयोग, अध्यापन पद्धति, समूह कार्य एवं स्वतंत्र व्यक्तिगत कार्य के प्रबंधन, बड़ी कक्षाओं की व्यवस्था, मूल्यांकन प्रणाली के समुचित प्रयोग, ग्रेड प्रदान करने और अभिलेख प्रबंध के बारे में स्वयं को अवगत कराने की आवश्यकता है।

इस पुस्तक के रचना कार्य में साझीदारों भारतीय रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड, भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण तथा भारतीय पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण का, उनके बहुमूल्य समय और प्रयासों के लिए हम आभार प्रकट करते हैं।

पुस्तक का प्रस्तुतीकरण निश्चित रूप से सुश्री सुगंध शर्मा, अपर निदेशक (अनुसंधान एवं नवोन्मेष), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड और श्री संदीप सेठी, शिक्षण अधिकारी एवं उनकी टीम के नेतृत्व, निष्कपट प्रयासों तथा सत्यनिष्ठा के बिना कभी संभव नहीं हो पाता। पुस्तक के संबंध में सुझावों का स्वागत है, जिन्हें आगामी संस्करणों में शामिल किया जा सकता है।

आभार

परामर्श समिति

श्री वाई. एस. के. सेषु कुमार, अध्यक्ष, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
सुश्री सुगंध शर्मा, अपर निदेशक (अनुसंधान एवं नवोन्मेष), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
श्री डी. टी. सुदर्शन राव, संयुक्त सचिव तथा प्रभारी, (शैक्षणिक एवं प्रशिक्षण), केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र (एनसीएफई) परामर्श समिति

श्री संदीप घोष, निदेशक, रा. प्रति. बा. सं., प्रा.
श्री जी. पी. गर्ग, रजिस्ट्रार, एनआईएसएम तथा प्रधान, एनसीएफई
श्री ज्ञानभूषण, कार्यपालक निदेशक, सेबी
श्री ए. जी. दास, मु. महा प्रबं., पीएफआरडीए
श्री टी वी राव, महाप्रबंधक, भा रि बैं
सुश्री केजीपीएल रमादेवी, उपनिदेशक, भा. बी. वि. और वि.
डा. मीनू नंदराजोग, प्रोफे., एनसीईआरटी
श्री संदीप सेठी, शिक्षा अधिकारी, सीबीएसई
सुश्री पूनम सोढ़ी, उप सचिव, सीआईएससीई

निगरानी और संपादन बोर्ड

सुश्री शर्मिला रहेजा
डॉ. पारुल पाठक
सुश्री दिशा ग्रोवर
श्री श्रेय रहेजा
सुश्री सरीना पी. यू.
सुश्री रेशू सिंहल
सुश्री सौदामिनी अरविंद
श्री संदीप के बिस्वाल
सुश्री रेनू आनंद

विद्यालयों का दल (सामग्री उत्पादन)

केंब्रिज स्कूल, गाजियाबाद
दिल्ली पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद
दिल्ली पब्लिक स्कूल, इंदिरापुरम, गाजियाबाद
दिल्ली पब्लिक स्कूल, मथुरा मार्ग, दिल्ली
दिल्ली पब्लिक स्कूल, श्रीनगर
दिल्ली पब्लिक स्कूल, वसुंधरा, गाजियाबाद
डीएलएफ पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद
गुरुकुल द स्कूम, गाजियाबाद
केसरीदेवी बजाज पब्लिक स्कूल, गाजियाबाद
मॉडर्न स्कूल, बाराखंबा मार्ग, दिल्ली
एन. एच. गोयल वर्ल्ड स्कूल, छत्तीसगढ़
संस्कृत स्कूल, दिल्ली
सेठ आनंदराम जयपुरिया स्कूल, गाजियाबाद
शिव नाडर स्कूल, नोयडा
उत्तम बालिका विद्यालय, गाजियाबाद

संकल्पना और रूपरेखा : जितेंद्र कुमार सोलंकी, एनआईएसएम
कविता : तनीशा पुरी, आर एन पोद्दार स्कूल, मुंबई
चित्रांकन : माधव गुप्ता बाल भारती स्कूल, रोहिणी, दिल्ली
लिखावट : महाराजा सवाई मानसिंह विद्यालय, जयपुर
वर्ग पहेली, उलझे शब्द , एमसीक्यू : रेशू सिंहल, अदनान कोहली, सादिक वजीर
रिया भूयान, दिव्या अग्रवाल, वेणी गुप्ता
मयंक पुगालिया, सात्विक भट्ट, अमन सुराना
संकेत शर्मा और यथार्थ श्रीधरन

विषय–सूची

विषय	प्रसंग	पृष्ठ संख्या
इतिहास 1	उधार लेने की आवश्यकता और उसके स्रोत	
इतिहास 2	भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका और कार्य	
नागरिक शास्त्र 1	उपभोक्ता सुरक्षा	
नागरिक शास्त्र 2	बैंकिंग से परिचय	
भूगोल 1	बैंकिंगः खातों के प्रकार	
भूगोल 2	बैंकिंगः नई प्रौद्योगिकी के साथ	
अंग्रेजी 1	अपने संसाधनों में निर्वाह	
अंग्रेजी 2	गरीब व्यक्ति की दौलत	
गणित 1	खरीदारी पर जाइए	
गणित 2	साधारण ब्याज दरें	

मैं, राशि, आपको साधारण ब्यांज की गणना करना, उधार लेने की आवश्यकता और उसके स्रोतों तथा इंटरनेट एवं मोबाइल फोन का उपयोग कर बैंकिंग के संबंध में बताऊँगी।

मैं, मुद्रा, आपको भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका और उसके कार्यों के बारे में और यह बताऊँगी कि नकदी के बिना कैसे खरीदारी की जाए।

मैं सेफ या सैफ हूँ और मैं आप उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा करूँगा और आपको बताऊँगा कि खरीदारी करने से पहले हमें क्या जाँच करनी चाहिए।

मैं, मुनाफ, आपका विभिन्न प्रकार के बैंक खातों/लेखाओं और नई तकनीक के साथ बैंकिंग से परिचय कराऊँगा तथा आपको धन और मन की शांति के बारे में बताऊँगा।

वित्तीय प्रबंधन के अर्थ–भेद

जरूरत पर बैंकों से जब लेते हैं धन उधार हम,
वादा करते समयावधि में वापस कर देंगे पूरा हम।
फीस है ऋण की, ब्याज, लगेगी धन थोड़ा हो या फिर ज्यादा,
नियम बैंक का बड़ा अहम है, सबको इसने बाँधा।

भारतीय रिजर्व बैंक की वित्त जगत पर नजर है पैंनी, बड़ी भूमिका,
उपभोक्ता–सुरक्षा, ग्राहक–नियमन रखता ख्याल सभी का।
हस्ताक्षर कर चेक दिया था पापा ने है मुझको याद,
माली हालत बिगड़ी घर की पता नहीं क्यों उसके बाद।

इंटरनेट से देय राशि का आज करो जी तुम भुगतान,
संकेतों से ई–बैंकिंग को हम समझेंगे ले संज्ञान।
साध्य बैंकिंग, वित्त–क्षेत्र में साधन की है आई बाढ़,
बिल देना हो, चुन लो अपना क्रेडिट या फिर डेबिट कार्ड।

वित्तीय शिक्षा मुझे बनाए इस दुनियाँ में स्वस्थ– दुरुस्त ,
गहरी पैठ के साथ पढ़ूँगा, नहीं करूँगा सिर्फ कंठस्थ।
जहाँ कहीं भी होगी शंका, तभी बनाऊंगा एक चार्ट,
दूर करेगी मतिभ्रम मेरा, युक्ति बनाए मुझे स्मार्ट।

ऋण, बैंकिंग और ई–बैंकिंग, इसके पीछे आर बी आई,
विषय कठिन पर, मनन करूँगा, सीखूँगा, ज्ञान से मेहनत की भरपाई।
ऐसे कुछ हैं नियम हमारे करना है अनुपालन,
असल जिंदगी! इंतजार है, मैं कर लूँगा पालन।

उपभोक्ता का संरक्षण और उसके तथ्य अनेक,
इसके लिए बनी हुई है समिति कारगर एक।
वित्त–प्रबंधन गूढ़ विषय है बढ़ता इसका मान,
छोटा हो या बड़ा शहर हो इसे दे रहे मान महान।

केंद्रीय बैंक

ए टी एम

बैंक–खाता

ऋण

साधारण ब्याज

छठी कक्षा का पुनरावलोकन

वस्तु–विनिमय

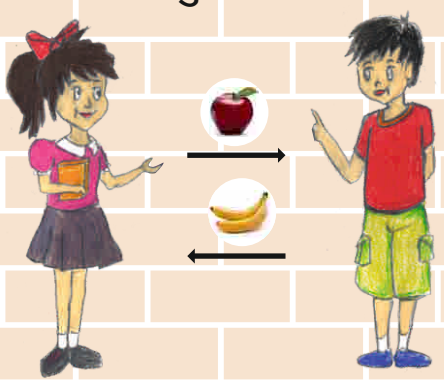

धातुओं के सिक्के

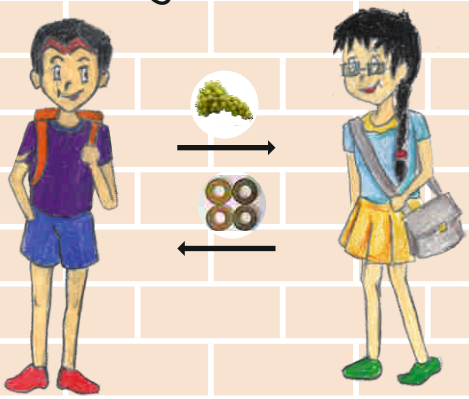

कागज की मुद्रा

प्लास्टिक धन

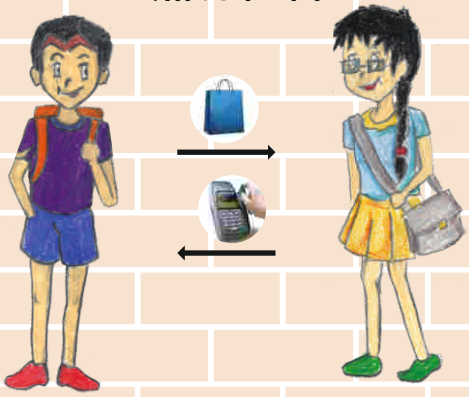

आवश्यकता	अपेक्षा
मुझे प्यास लगी है।	
मुझे भूख लगी है।	

करों के प्रकार

प्रत्यक्ष कर

आय कर

निगम कर

अप्रत्यक्ष कर

सेवा कर

बिक्री कर

मनोरंजन कर

विषय : इतिहास
कक्षा : सात
सत्र : 1

उधार लेने की आवश्यकता और उसके स्रोत

उधार लेने की आवश्यकता

एक दिन जब कार्तिक ने अपना बस्ता (बैग) खोला तो उसमें उसे पेन नहीं मिला। वह समझ गया कि जब वह जल्दी–जल्दी अपना बस्ता पैक कर रहा था तो वह अपना पेन रखना भूल गया था। उसने एक नया पेन खरीदने का निर्णय लिया। दुकानदार ने उसे बताया कि नया पेन रु.30/– में आएगा परंतु कार्तिक के पास केवल रु.20/– थे। उसने अपने मित्र अनिल से कहा कि वह रु.10/– देकर, पेन खरीदने में उसकी मदद करे, जो वह अगले दिन वापस कर देगा। यह धन उधार लेने का एक उदाहरण है। कार्तिक ने अपने मित्र अनिल से रु.10/– उधार लिए। हम उधार इसलिए लेते हैं क्योंकि जो हमारे पास है, उसमें और हमारी आवश्यकता में कुछ कमी/अंतर है। कार्तिक ने उधार लिया क्योंकि उसके पास केवल रु.20/– थे और एक नया पेन खरीदने के लिए उसे रु.30/– की आवश्यकता थी।

उधार लेने के स्रोत

यद्यपि उपर्युक्त उदाहरण में कार्तिक ने अपने मित्र अनिल से उधार लिया, परंतु ऐसे अन्य अनेक स्रोत हैं, जिनसे कोई धन उधार ले सकता है। हम कभी–कभी अपने मित्रों, अपने परिवार, रिस्तेदारों आदि से उधार लेते हैं। ये उधार लेने के आंतरिक–स्रोत कहलाते हैं। इसके अलावा हम बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं जैसे गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों से उधार लेते हैं। ये उधार लेने के बाह्य–स्रोत के नाम से जाने जाते हैं।

ऋण– यह वह धन–राशि है, जो किसी वित्तीय संस्था से उधार ली जाती है और इसकी चुकौती ब्याज के साथ की जाती है। बैंक उन लोंगों से जमाराशियाँ लेते हैं, जिनके पास बचत–राशियाँ होतीं हैं तथा उन लोगों को उधार देते हें, जिन्हें विभिन्न प्रयोजनों जैसे व्यापार शुरू करने, फैक्ट्री के लिए उपकरण खरीदने, मकान खरीदने या शिक्षा हेतु शुल्क अदा करने के लिए आवश्यकता होती है। लोगों को उधार दी गई धन–राशि पर (जिसे ऋण कहा जाता है) बैंकों द्वारा ब्याज ली जाती है और यह ब्याज बैंक की आय का एक भाग होती है।

ब्याज वह अतिरिक्त धन है, जो हम उधार ली गई मूल धन–राशि के साथ चुकाते हैं। कल्पना कीजिए कि आपके पिताजी ने एक बैंक से रु.10,000/– उधार लिए। यह धन–राशि मूल–धन कहलाती है। अब एक वर्ष बाद जब आपके पिताजी ने उक्त ऋण चुकाने का निर्णय लिया तो यह पता लगा कि उन्हें बैंक को रु. 11,000/– देना है। आप सोचते होंगे कि आपके पिताजी ने जितना धन उधार लिया था, उससे अधिक क्यों देना होगा ? ऐसा इसलिए कि आपके पिताजी द्वारा ऋण की मांग करने पर बैंक ने उन्हें धन उधार दिया था।

आपके पिताजी ने ब्याज के रूप में रु.1,000/– की अतिरिक्त धनराशि बैंक को अदा की। सामान्य रूप से ब्याज प्रतिशत के रूप में प्रकट की जाती है। इस उदाहरण में हम कह सकते हैं कि आपके पिताजी ने इस ऋण पर 10% ब्याज चुकाई । ब्याज की उक्त राशि बैंक की आय है।

अभ्यास

रामलाल नामक किसान एक ट्रैक्टर खरीदना चाहता है। एक ट्रैक्टर का मूल्य रु.3,20,000/– है। पर रामलाल के पास रु.20,000/– हैं। ट्रैक्टर खरीदने के लिए आवश्यक शेष राशि, वह बैंक से उधार लेने का निर्णय लेता है।

मान लीजिए रामलाल को अब बैंक को रु.3,45,000/– चुकाने हैं। ब्याज राशि की गणना कीजिए।

रिक्त स्थान भरिए :

1) हमारे पास जो उपलब्ध है उसमें और हमारी आवश्यकता में अंतर को ..... के रूप में जाना जाता है।
2) उधार लेने के .....आंतरिक स्रोत..... और ..... हैं।
3) उधार लेने के बाह्य स्रोत ..... और.....हैं।
4) किसी वित्तीय संस्था से उधार लिया हुआ धन..... होता है।
5) हम जिस वित्तीय संस्था से धन उधार लेते हैं, उसे हम ..... देते हैं।
6) ब्याज सामान्यतः ..... के रूप में प्रकट किया जाता है।

निम्नलिखित को सही जोड़ों में व्यवस्थित कीजिए :

1) बैंक के लिए आय	क) प्रतिशित ब्याज
2) किसी बैंक से उधार लेना कहलाता है	ख) गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी
3) ऋण पर 10%	ग) ऋण पर ब्याज
4) एनबीएफसी	घ) ऋण

उलझे–पुलझे शब्द

उलझे–पुलझे शब्द	संकेत	हल
कार दुनदा	दुकान का मालिक	
नार धाउले	उधार देने का विलोम / मैं .....चाहता हूँ	
एंस्थावि संत्तीय	बैंकों का समूह	
जाब्य	हमारे मूल–धन पर हमें यह प्रप्त होता हैं	
नमूधल	हमारी मूल राशि	

1) ..... वह धन–राशि है, जो किसी वित्तीय संस्था से उधार ली जाती है और ब्याज के साथ इसकी चुकौती की जाती है।

क) ऋण　　ख) मूल–धन
ग) ब्याज　　घ) धन

2) ऋण पर..... बैंक के लिए आय होती है।

क) ऋण　　ख) मूल–धन
ग) ब्याज　　घ धन

3) .....वह अतिरिक्त धन–राशि है, जो हम उधार लिए हुए मूल–धन के साथ चुकाते हैं।

क) ऋण　　ख) मूल–धन
ग) ब्याज　　घ) धन–राशि

4) धन उधार लेने का एक बाह्य स्रोत..... है।

क) साहूकार　　ख) परिवार
ग) गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी)　　घ) क) और ग) दोनों

5) किसी बैंक से ऋण लेने के लिए कौन–सा कारण युक्ति–संगत (मान्य) नहीं है

क) व्यापार आरंभ करना ख) मकान खरीदना
ग) शिक्षा　　घ) आइसक्रीम पार्लर में आइसक्रीम खाना

हम बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं से धन उधार ले सकते हैं।

सभी बैंकों को कौन नियंत्रित करता है ?

भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका और उसके कार्य

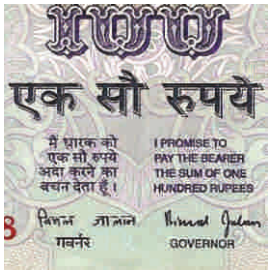

भारतीय रिजर्व बैंक की भूमिका और उसके कार्य

प्रत्येक देश में एक ऐसा संगठन होता है, जो केंद्रीय बैंक के रूप में कार्य करता है। उक्त केंद्रीय बैंक का कार्य उस देश की बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली को विनियमित करना और उसकी निगरानी करना होता है। भारत में भारतीय रिजर्व बैंक देश का केंद्रीय बैंक है।

वर्ष 1935 में भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई थी और 1949 में उसका राष्ट्रीयकरण हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक भारत में बैंकिंग प्रणाली के विनियामक (रेगूलेटर) की भूमिका का निर्वाह करता है। बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 बैंकिंग प्रणाली को विनियमित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को प्राधिकार प्रदान करते हैं। विभिन्न भूमिकाओं में भारतीय रिजर्व बैंक के अलग–अलग कार्य हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं:

- मौद्रिक प्राधिकारी
- मुद्रा अर्थात करेंसी जारीकर्ता अर्थात् निर्गमकर्ता
- सरकार का बैंकर तथा उसका ऋण प्रबंधक
- बैंकों के लिए बैंकर
- वित्तीय संस्थाओं का विनियामक और पर्यवेक्षक
- विदेशी मुद्रा का प्रबंधक
- भुगतान और निपटान प्रणालियों का विनियामक एवं पर्यवेक्षक
- वित्तीय स्थायित्व कायम रखना
- विकासकारी भूमिका

भारतीय रिजर्व बैंक भारत में सभी बैंकों के समस्त परिचालनों का विनियमन करने के लिए उत्तरदायी है। इन बैंकों में ये बैंक शामिल होंगे:

- सरकारी क्षेत्र के बैंक
- निजी क्षेत्र के बैंक
- विदेशी बैंक
- सहकारी बैंक
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

एक विनियामक के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक, बैंकिंग प्रणाली में लोगों का

विश्वास बनाए रखने में मदद करता है और ग्राहकों की शिकायत निवारण हेतु अनेक मंच प्रदान करता है। भारत में बैंकिंग प्रणाली का पर्यवेक्षण करने के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक करेंसी नोट भी जारी करता है। यद्यपि सिक्के और रु.1/– के नोटों की आपूर्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है और भारतीय रिजर्व बैंक केवल इन सिक्कों और रु.1/– के नोटों के वितरण में मदद करता है। आपने भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्गत किए गए सभी नोट देखे होंगे। क्या उन पर ''मैं धारक को.....रुपये अदा करने का वचन देता हूँ'' लिखा हुआ है? इसे वचन–वाक्य कहा जाता है और यह वचन–वाक्य बैंक की अदा करने की बाध्यता को दर्शाता है।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी प्रत्येक नोट पर आरबीआई के गवर्नर के हस्ताक्षर होते हैं परंतु रु.1/– के नोट पर वित्त सचिव, भारत सरकार के हस्ताक्षर होते हैं।

अभ्यास

1) भारत के केंद्रीय बैंक का नाम क्या है ?
———————————————————————————————

2) भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना कब की गई थी?
———————————————————————————————

3) भारत में करेंसी नोट कौन जारी करता है ?
———————————————————————————————

4) भारतीय रिजर्व बैंक के वर्तमान गवर्नर का नाम क्या है ?
———————————————————————————————

रिक्त स्थान भरिए :

1) केंद्रीय बैंक का कार्य उस देश की ————————————————प्रणाली को ———————— करना और उसकी निगरानी करना होता है।

2) ———————————————————— भारत का केंद्रीय बैंक है।

3) ———————————— और ————————————————, बैंकिंग प्रणाली को विनियमित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को प्राधिकार प्रदान करते हैं।

4) ————————————————————करेंसी नोट जारी करता है।

निम्नलिखित में सही जोड़ी मिलाकर लिखिए :

1) 1935	क) भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर
2) 1949	ख) भारतीय रिजर्व बैंक
3) बैंकों का बैंकर	ग) भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण
4) भारतीय रिजर्व बैंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी	घ) भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना

उलझे–पुलझे शब्द

उलझे–पुलझे शब्द	संकेत	हल
यकेंद्री कबैं	वाणिज्य बैंको का नियंत्रण करता है	
तीरज यभारि बैंर्वक	भारत का शीर्षस्थ बैंक	
नित्रक्षे जीक केबैं	वे बैंक, जिनकी शेयर पूँजी में अधिकांश अंशदान निजी शेयरधारकों का होता है।	
शीविदे कबैं	वे बैंक, जिनका मुख्यालय विदेश में होता है	

1) भारत का केंद्रीय बैंक ———————————————————— है।

क. भारतीय रिजर्व बैंक　　ख. भारतीय स्टेट बैंक

ग. भारतीय रुपया बैंक　　घ. दिल्ली बैंक ऑफ इंडिया

2) भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना वर्ष ———————————— में हुई थी

क. 1950　　ख. 1935

ग. 1949　　घ. 1960

3) ———————————————— भारत में सभी बैंकों के समस्त परिचालनों का विनियमन करने के लिए उत्तरदायी है।

क. आरबीआई　　ख. एसबीआई

ग. आरपीआई　　घ. एसपीआई

4) सरकार के बैंकर और उसके ऋण प्रबंधन का कार्य करना————————————————का कार्य है

क. एसबीआई　　ख. बैंक ऑफ इंडिया

ख. आरबीआई　　घ. पंजाब नैशनल बैंक

विषय : नागरिक शास्त्र
कक्षा : सात
सत्र : 1

उपभोक्ता संरक्षण

एक 13 साल के लड़के श्रीवंश को अपनी माँ के साथ खरीदारी के लिए जाना बड़ा अच्छा लगता है। उसे खरीदारी करने में खूब मजा आता है परंतु उसे तब बहुत बुरा लगता है जब वह कोई चीज खरीदता और वह चीज खरीदने के एक हफ्ते के अंदर काम करना बंद कर देती या टूट जाती है। तब खरीदारी में उसका आत्म–विश्वास चला जाता है और उसे बड़ा बुरा महसूस होता है। कृपया उसकी मदद करें और उपभोक्ता के रूप में उसके अधिकारों से अवगत कराएं।

भारत में उपभोक्ताओं के अधिकारों का नीचे की सूची में वर्णन किया गया है:

- सभी प्रकार की जोखिमवाली वस्तुओं और सेवाओं से सुरक्षा प्रदान किए जाने का अधिकार
- सभी वस्तुओं और सेवाओं के कार्य–निष्पादन एवं उनकी गुणवत्ता की पूरी जानकारी दिए जाने का अधिकार
- स्वतंत्र रूप से वस्तुओं और सेवाओं की पसंद का अधिकार
- उपभोक्ता हितों से संबंधित सभी निर्णय–प्रक्रियाओं में उपभोक्ता का पक्ष सुने जाने का अधिकार
- जहाँ भी उपभोक्ता के अधिकारों का हनन हुआ हो, वहाँ अधिकार–हनन के निवारण का अधिकार

यदि किसी उपभोक्ता के अधिकारों का हनन हुआ हो निम्नलिखित परिस्थितियों में शिकायत की जा सकती है:

- किसी व्यक्ति द्वारा खरीदी गईं या खरीदे जाने के लिए करार सम्मत वस्तुओं और सेवाओं में किसी प्रकार का कोई एक या अधिक दोष हो।
- व्यापारी या सेवा प्रदाता कोई अनुचित या प्रतिबंधकारी आचरण अपनाता हो।
- व्यापारी या सेवा प्रदाता वस्तुओं पर प्रदर्शित या दोनों पक्षों के बीच सहमत मूल्य या किसी विद्यमान कानून के अंतर्गत निश्चित किए गए मूल्य से अधिक मूल्य ले रहा हो।

अभ्यास

नीचे दिए गए उपभोक्ता प्रकरणों (मामलों) पर विचार करें और प्रत्येक परिस्थिति में उपभोक्ता अधिकारों के संबंध में सलाह दें:

1) मैंने एक कमीज (शर्ट) खरीदी परंतु जब मैं घर पहुँचा तो मैंने अपना विचार बदल दिया और अगले दिन शर्ट लेकर उक्त दुकान में गया। परंतु दुकान का स्टाफ मेरी धन–राशि वापस नहीं कर रहा है। क्या वे ऐसा कर सकते हैं ?

   ____

2) मैंने नए जूते खरीदे थे पर जब मैंने उक्त जूते दूसरी बार पहने तो एक जूते की एड़ी उखड़ गई। दुकान वाले जूते की मरम्मत करने का प्रस्ताव कर रहे हैं। क्या मुझे मरम्मत का प्रस्ताव मानना पड़ेगा ?

3) मैंने एक जोड़ी जींस रु.1,500/– में खरीदी। पर मुझे पता चला कि उसी गली की एक दुकान में उक्त जींस रु.1,280/– में मिल रही है। मुझे क्या करना चाहिए ?

4) मेरी माँ ने एक पैंट, जिस पर ''केवल हाथ से धुलाई करें'' का लेबल लगा था, वाशिंग मशीन में धो दी और वह सिकुड़ गई। मुझे क्या करना चाहिए ?

5) एक स्थानीय समाचार–पत्र में विज्ञापन को देखकर मैंने एक सीडी प्लेयर खरीदा। परंतु जब मैं उसे घर लाया तो पता चला कि वह काम नहीं कर रहा है। इस संबंध में मेरे क्या अधिकार हैं ?

6) मैंने अपने जन्म दिन पर एक टेलीविजन सेट खरीदा परंतु यह ठीक प्रकार से काम नहीं कर रहा है। दुकान प्रबंधक ने मुझे बताया कि इसे सीधे उत्पादक को भेज दें क्योंकि इस दोष से दुकान को कोई सरोकार नहीं है। क्या वह सही कह रहा है ?

निम्नलिखित मामलों में उन अधिकारों की पहचान कीजिए, जिनका उल्लंघन हुआ है।

1) अंकित ने बाजार से कुछ पटाखे खरीदे परंतु उनके ऊपर उन्हें इस्तेमाल करने के अनुदेश नहीं लिखे थे। ....

2) सीता ने एक दुकान से घी खरीदा पर उस पर कोई गुणवत्ता चिह्न नहीं था।..

3) फियोना, टूथ–पेस्ट खरीदने के लिए एक दुकान पर गई और वहाँ दुकानदार एक विशेष ब्रांड का ही टूथ–पेस्ट खरीदने के लिए जोर दे रहा था और उपलब्ध दूसरे ब्रांड देने के लिए उसने मना कर दिया।.
   ....

1) भारत में निम्नलिखित में से क्या उपभोक्ता अधिकार हैं ?

   क) अभिव्यक्ति का अधिकार

   ख) सुने जाने का अधिकार

   ग) पूर्ण सूचना दिए जाने (प्रकटीकरण) का अधिकार

   घ) शिकायत करने का अधिकार

विषय : नागरिक शास्त्र
कक्षा : सात
सत्र : 2

बैंकिंग से परिचय

बैंकिंग से परिचय

बैंक क्या है ?

बैंक एक ऐसी संस्था है, जो जमाराशियाँ स्वीकार करती है और उसके बाद ब्याज पर धन–राशि उधार देती है। क्या आप भारत में कार्यरत कुछ बैंकों के नाम बता सकते हैं ?

जमाराशियाँ

जब कोई बैंक जनता से धन स्वीकार करता है तो वह धन जमाराशि कहलाती है। क्योंकि कोई व्यक्ति अपना धन बैंक में जमा कर रहा होता है इसलिए बैंक ब्याज के रूप में कुछ फायदे देता है।

ऋण

जब कोई बैंक जनता को, विभिन्न प्रयोजनों जैसे मकान बनाने, कार खरीदने या व्यापार प्रारंभ करने के लिए धन उधार देता है तो इसे ऋण कहा जाता है। बैंक ऋणों पर ब्याज लेता है।

क्रेडिट कार्ड

किसी वित्तीय संस्था द्वारा, आम तौर पर बैंक द्वारा जारी किया गया एक कार्ड, जिसमें धारक को कोई वास्तविक नकद भुगतान किए बिना ही वस्तुओं और सेवाओं की खरीद करने का विकल्प रहता है। यह एक अल्पकालीन उधार का स्वरूप है। क्रेडिट कार्ड, कार्ड धारक क्षरा बाद की तारीख में, जो सामान्यतः 30 से 50 दिन की होती है, बैंक को भुगतान कर देने के वचन के आधार पर कार्य करता है। यदि कार्ड–धारक निर्धारित समयावधि में भुगतान नहीं कर पाता तो कार्ड जारीकर्ता वित्तीय संस्था या बैंक कुछ ब्याज लेती / लेता है।

डेबिट कार्ड

यह किसी बैंक द्वारा जारी किया गया एक इलेक्ट्रॉनिक कार्ड है, जिसके माध्यम से धन–राशि आहरित करने या वस्तुओं या सेवाओं की खरीद के लिए कार्ड–धारक का अपने बैंक खाते से संपर्क हो जाता है। इससे धारक को बैंक शाखा तक जाने की आवयकता नहीं रहती है। बस अब वह किसी एटीएम तक चला जाए या फिर दुकानों पर इलेक्ट्रॉनिक रूप में भुगतान कर सकता है। भुगतान के एक प्रकार के रूप में इस कार्ड से चेक की आवश्यरकता भी नहीं रहती है क्यों कि डेबिट कार्ड ग्राहक के खाते से धन–राशि दुकानदार के खाते में तुरंत अंतरित कर देता है।

स्वचालित टेलर मशीन

एटीएम ऐसी इलेक्ट्रॉनिक मशीनें हैं, जिनका परिचालन कोई ग्राहक विभिन्न बैंकिंग सेवाओं जैसे नकदी आहरण, खाता–शेष मालूम करने, बिल भुगतान, निधियों के अंतरण का लाभ उठाने के लिए करता है। एटीएम चौबीसों घंटे सेवा प्रदान करती हैं। एक दिन–रात में ग्राहक किसी समय एक निश्चित सीमा तक धन–राशि आहरित कर सकता है। एटीएम का प्रयोग करने के लिए ग्राहक को अपने बैंक से एटीएम कार्ड प्राप्त करना होता है। एटीएम कार्ड एक प्लास्टिक कार्ड है, जो चुंबकीय रूप से कूटांकित होता है। इस पर अपनी एक अलग संख्या और कुछ सुरक्षा सूचना जैसे समाप्ति की तारीख दी हुई होती हैं। मशीन इसे आसानी से पढ़ सकती है। एटीएम का परिचालन करने के लिए ग्राहक को मशीन में एटीएम कार्ड लगाना होता है और उसके बाद वैयक्तिक पहचान संख्या/पिन (पीआईएन) डालनी होती है। प्रमाणीकरण अर्थात् पिनआईएन सही होने पर मशीन ग्राहक को लेन–देन करने की अनुमति प्रदान करती है।

चेक

चेक किसी खाता धारक द्वारा अपने बैंक को दिया गया इस आशय का अनुदेश है कि विनिर्दिष्ट व्यक्ति को या चेक धारक को एक निश्चित धन–राशि अदा की जाए। खाता धारक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खाते में पर्याप्त निधियाँ (फंड) होने पर ही चेक जारी किया जाए। चेक प्राप्त करने के बाद हिताधिकारी उसे अपने बैंक में जमा करेगा और बैंक, समाशोधन गृह के माध्यम से धन प्राप्त करेगा। समाशोधन गृह ऐसी प्रणाली है, जिसमें एक शहर के बैंक एक दूसरे के साथ चेकों का आदान–प्रदान करते हैं तथा देय और प्राप्य राशियों का हिसाब लगा कर भुगतानों का निपटान करते हैं। चेक प्राप्त होने के बाद चेक जारीकर्ता के खाते से चेक की राशि कम (डेबिट) हो जाती है और हिताधिकारी (बेनीफिसिअरी) को जमा पारित (क्रेडिट) कर दिया जाता है। समाशोधन प्रणाली में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की यांत्रिक प्रक्रियाओं के माध्यम से देश में किसी भी बैंक पर आहरित/लिखा हुआ चेक पारित हो जाता है। इस प्रक्रिया में स्थानीय समाशोधन गृह की क्रियाविधियों को ध्यान में रखते हुए आमतौर पर एक से तीन दिन लगते हैं।

प्रकरण अध्ययन : एटीएम और उसके फायदे

श्री शर्मा किसी बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्य करते हैं। बहुत व्यस्त रहने के कारण वह घर पर समय नहीं दे पाते। घर के सभी कार्य उनकी पत्नी करती है। एक दिन जब श्री शर्मा कार्यालयीन दौरे पर बाहर थे तो उनकी माँ बीमार हो गईं और उनको अस्पताल में भर्ती कराने की सलाह दी गई। श्रीमती शर्मा अपनी सास को अस्पताल ले गई । देर रात हो चुकी थी और श्रीमती शर्मा को चिंता हो रही थी कि उनके पास बहुत कम पैसा था। अचानक अस्पताल के पास एक एटीएम पर उनकी नजर पड़ी। उन्होंने तुरंत अपना एटीएम कार्ड निकाला और नकदी आहरित करने के लिए उसका प्रयोग किया। इस प्रकार वह उपचार (इलाज) के लिए धन की व्यवस्था कर सकीं। दो दिन बाद श्री शर्मा अपने दौरे से वापस आ गए। उनकी पत्नी ने उन्हें पूरी घटना की जानकारी दी। श्री शर्मा ने शुक्रिया अदा किया कि चेक के बिना खाते से धन आहरित करने में मदद हेतु बैंक ने लोगों को एटीएम कार्ड प्रदान किए हैं।

1) श्रीमती शर्मा ने निम्नलिखित में से किस की सहायता से धन आहरित किया:

   क) एटीएम कार्ड ख) क्रेडिट कार्ड

   ग) चेक घ) आहरण फार्म

2) यदि आप किसी एटीएम से धन आहरित करना चाहते हैं तो आप ऐसा कर सकते हैं:

   क) केवल दिन के समय ख) किसी समय

   ग) केवल साप्ताहिक दिनों में घ) केवल छुट्टी के दिनों में

3) आपने कहाँ पर एटीएम बूथ देखी है ?

   क) बैंक के अंदर ख) बैंकों के बाहर

   ग) शॉपिंग मॉल में घ) उपर्युक्त सभी जगह

4) एटीएम (स्वचालित टैलर मशीन) का पूरा नाम क्या है ?

क) ऑटोमेटेड टेलर मशीन ख) ऑल टाइम मनी
ग) एनी टाइम मनी घ) एडवांस्ड टाइम मशीन

5) एटीएम कार्ड रखने के क्या फायदे हैं ?

क) समय की बचत होती है और कम कागजी कार्य ख) किसी भी समय धन आहरण

ग) अपना खाता–शेष जानना आसान है घ) उपर्युक्त सभी

अभ्यास

1) एटीएम कार्ड से कोई ग्राहक क्या –क्या कार्य कर सकता है ?

.....
.....

2) क्रेडिट कार्ड कंपनी धारक से ब्याज केसे ले सकती है ?

.....
.....

3) बैंक (जमाराशियों या ऋणों) पर ..... देता है।

4) डेबिट कार्ड के क्या फायदे है ?

.....
.....

रिक्त स्थान भरिए :

1) बैंक एक ऐसी संस्था है, जो .....स्वीकार करती है और उसके बाद ब्याज पर .... देती है।

2) जब कोई व्यक्ति अपना धन बैंक में जमा कर रहा होता है तो बैंक ..... के रूप में उसे कुछ फायदे देता है।

3) जब कोई बैंक जनता को, विभिन्न प्रयोजनों जैसे मकान बनाने, कार खरीदने के लिए धन उधार देता है तो इसे ..... कहा जाता है।

4) क्रेडिट कार्ड ..... का एक प्रकार है।

5) यदि क्रेडिट कार्ड–धारक निर्धारित समयावधि में भुगतान नहीं कर पाता तो कार्ड जारीकर्ता धारक से.... .....लेता है।

6) जब कोई बैंक, चेक के प्रयोग के बिना नकदी आहरण तथा वस्तुओं और सेवाओं के भुगतान हेतु अपने बैंक खाते से संपर्क करने के लिए लोगों को एक इलेक्ट्रॉनिक कार्ड प्रदान करता है तो इसे ..... कहा जाता है।

7) ..... से कोई ग्राहक 24 / 7 नकदी आहरित कर सकता है।

8) ..... ऐसी प्रणाली है, जिसमें एक शहर के बैंक एक दूसरे के साथ चेकों का आदान–प्रदान करते हैं तथा भुगतानों का ..... करते हैं।

9) चेक शोधन में स्थानीय समाशोधन गृह की क्रियाविधियों को ध्यान में रखते हुए आमतौर पर .... दिन लगते हैं।

10) खाता धारक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खाते में ..... निधियाँ (फंड) होने पर ही चेक जारी किया जाए।

उलझे–पुलझे शब्द

उलझे–पुलझे शब्द	संकेत	हल
शियॉरा माज	किसी बैंक में जमा की गई धन–राशि	
डिक्रेर्ड टका	किसी बैंक द्वारा जारी किया गया छोटा प्लास्टिक कार्ड	
बिडेट र्डका	किसी बैंक द्वारा जारी किया गया एक इलेक्ट्रॉनिक कार्ड जिसके माध्यम से धन–राशि आहरित करने के लिए कार्ड–धारक का अपने बैंक खाते से संपर्क हो जाता है।	
कट्रॉलेनिक्इ र्डका	उदाहरण कि लिए डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड	
डटेटोऑमे रटैल नमशी	इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग आउटलेट	

1) जब बैंक जनता से धन–राशि स्वीकार करते हैं तो यह .....कहलाती है।
   क) आहरण ख) जमाराशि
   ग) ऋण घ) स्वीकारकर्ता

2) निम्नलिखित में से अल्प कालीन उधार क्या है ?
   क) जमाराशियाँ ख) ऋण
   ग) क्रेडिट कार्ड घ) डेबिट कार्ड

3) निम्नलिखित में से क्या एक सच नहीं है?
   क) क्रेडिट कार्ड से चेक की आवश्यकता नहीं रहती है।
   ख) डेबिट कार्ड को हम केवल एटीएम मशीन में ही प्रयोग कर सकते हैं।
   ग) बैंक ऋणों पर ब्याज लेता है।
   घ) एटीएम कार्ड चुंबकीय रूप से कूटांकित होता है।

बैंक हमें डेबिट.कार्ड, क्रेडिट–कार्ड, एटीएम और चेक जैसी बहुत सी सुविधाएं देते हैं।

विषय : भुगोल
कक्षा : सात
सत्र : 1

बैंकिंगः खातों के प्रकार

बैंकिंग : खातों के प्रकार

बैंक एक ऐसी संस्था– है, जो एक व्यक्ति से धन–राशि स्वीकार करती है और फिर कुछ ब्याज पर उसे दूसरे व्यक्ति को ऋण के रूप में देती है। परंपरागत रूप से भारत में चार प्रकार के खाते होते हैं, जिनके नाम हैं– चालू खाता, बचत बैंक खाता, आवर्ती जमा खाता और नियतावधि जमा खाता।

चालू खाते

चालू खाता मुख्यतः कोई व्यापार जैसे स्वामित्व, साझेदारी फर्म, सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कंपनी चलाने, न्यास, व्यक्तियों के संघ के लिए खोला जाता है, जिनके प्रतिदिन बड़ी संख्यो में बैंकिंग लेन–देन अर्थात प्राप्त राशियाँ और भुगतान होते हैं। इस खाते में जमाराशि पर कोई ब्याज नहीं मिलती है और दूसरे खातों की तुलना में इसमें अधिक न्यूनतम शेष राशि रखने की आवश्यकता होती है। जब तक इस बैंक–खाते में खाता धारक की निधियाँ हों तब तक लेन–देनों की संख्या या जमा और आहरणों की राशि पर कोई प्रतिबंध नहीं होता है।

बचत बैंक खाता

बचत बैंक खाता व्यक्तियों के लिए सबसे अधिक लोकप्रिय खाता है। लोगों को बचत हेतु और अपनी धन–राशियों को जमा करने हेतु प्रोत्साहित करने के प्रयोजनार्थ बचत खाते खोले जाते हैं। बचत खातों पर ब्याज दिया जाता है, जो न्यूनतम होता है। ये खाते एकल या संयुक्त नामों में खोले जा सकते हैं। खाता धारक को अपनी आवश्यकता अनुसार जब चाहे तब खाते से धन आहरण की अनुमति होती है। इन खातों में न केवल चेक सुविधा मिलती है बल्कि खाताधारकों को खाते में से निधियाँ जमा करने और आहरित करने की अनेक छूटें भी उपलब्ध रहती हैं। अधिकांश बैंकों में इन खातों के लिए न्यूनतम शेष–राशि की अपेक्षा के नियम निर्धारित किए जाते हैं।

हालांकि अब बैंकों से यह भी अपेक्षा है कि वे मूल बचत खाते खोलें, जिनमें न्यूनतम शेषराशि रखने की अपेक्षा नहीं होती है। चालू खाते की तुलना में बचत बैंक खाते का लाभ यह है कि बचत बैंक खाते में धन–राशि पर ब्याज मिलती है।

आवर्ती जमा खाता

आवर्ती जमा खातों को सामान्यतया आरडी अकाउंट कहा जाता है। ये खाते उन लोगों द्वारा खोले जाते हें, जो किसी निश्चित अवधि तक नियमित रूप से बचत करना और बचत बैंक खाते से उच्चतर ब्याज अर्जित चाहते हैं। यदि आप किसी विशेष प्रयोजन, जैसे कॉलेज की शिक्षा, कार खरीदने या भविष्य के लिए बचा कर रखने के लिए निधि सृजित करना चाहते हों तो यह सर्वोत्तम है। आवर्ती जमा खाते में किसी निश्चित अवधि के लिए हर महीने कोई नियत राशि स्वीकार की जाती है और उक्त अवधि के अंत में कुल राशि ब्याज सहित वापस की जाती है। यह उन लोगों के लिए उपयुक्त है, जिनके पास बड़ी बचत राशि नहीं होती हैं परंतु वे प्रत्येक महीने लघु राशि बचत कर सकते हैं। इसमें से कोई आहरण करने की अनुमति नहीं होती है परंतु बैंक पूर्णतावधि से पूर्व खाता बंद करने की अनुमति दे सकता है। किसी महीने में धन राशि जमा करने में चूक होने पर थोड़ा अर्थदंड (पेनाल्टी) देना होता है। आवर्ती जमा खाते सामान्यतः 6 महीने से लेकर 120 महीने की पूर्णतावधि के लिए खोले जाते हैं। ये खाते एकल या संयुक्त नामों में खोले जा सकते हैं।

नियतावधि जमा खाते

ये सामान्यतया एफडी अकाउंट के नाम से जाने जाते हैं। कोई एक निश्चित राशि जमा करके ये खाते किसी एक नियत (फिक्स) अवधि के लिए खोले जाते हैं। नियतावधि जमाराशियों का यह समय 7 दिन से 10 वर्ष तक हो सकता है। इस खाते में जमा हुई राशि पूर्णता अवधि या पूर्णतावधि से पहले आहरित नहीं की जा सकती है। इसमें से आहरण करने की अनुमति नहीं होती है परंतु आवश्यकता पड़ने पर कुछ पेनाल्टी देकर जमाकर्ता नियतावधि जमा खाता बंद करने के लिए कह सकता है। नियतावधि जमाराशि के लिए दी जाने वाली ब्याज की दर, जमा धन–राशि और अवधि पर निर्भर करती है और यह दर एक बैंक से दूसरे बैंक में भिन्न–भिन्न होती है। आमतौर पर नियतावधि जमाराशियों का पूर्णतावधि की तारीख को एकमुश्त भुगतान किया जाता है। परंतु अधिकांश बैंक प्रत्येक महीने या तिमाही के अंत में ब्याज देने की सुविधा प्रदान करते हैं। उक्त जमाराशि को अगली अवधि के लिए नवीकृत किया जा सकता है।

क्या आप जानते हैं कि आप एक बैंक खाता खोल सकते हैं ? भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार 10 से अधिक वर्ष के अवयस्कों को स्वतंत्र रूप से बचत खाता खोलने और परिचालित करने की अनुमति है। किसी भी आयु का अवयस्क अपने नैसर्गिक या कानूनी रूप से नियुक्त संरक्षक के माध्यम से बचत बैंक या नियतावधि या आवर्ती जमा खाता खोल सकता है।

अभ्यास

1) 10 से अधिक वर्ष के अवयस्क द्वारा स्वतंत्र रूप से किस प्रकार का खाता खोला और परिचालित किया जा सकता है ?

....

2) नियतावधि जमा खातों मे ''फिक्स्ड '' अर्थात् नियत शब्द का क्या अर्थ है ?

____

3) न्यूनतम शेष राषि की किसी अपेक्षा से रहित बचत बैंक खाता ....कहलाता है।

सच या झूठ :

1) आवर्ती जमा खाते में आपको हर महीने एक लघु राशि जमा करने की जरूरत होती है।..........................

2) किसी भी आयु का अवयस्क अपने नैसर्गिक या कानूनी रूप से नियुक्त संरक्षक के माध्यम से बचत बैंक जमा खाता खोल सकता है।...............................

3) चालू खाते व्यापारियों के लिए सबसे अधिक उपयुक्त हैं।....................................

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1) विभिन्न प्रकार के बैंक खातों के नाम लिखिए।

.....

.....

2) दैनिक आधार पर व्यापार करने वाले व्यापारी द्वारा खोले गए खाते का नाम बताएं।

.....

3) क्या चालू खाते में किए गए लेन–देनों की संख्या या जमा और आहरणों की राशि पर कोई प्रतिबंध होता है ?

.....

4) वह कौन–सा खाता है, जिसमें ब्याज नहीं मिलता है ?

.....

5) व्यक्तियों के लिए सबसे अधिक लोकप्रिय खाते का नाम बताइए।

.....

6) बचत बैंक खाता खोलने के लिए कोई एक कारण बताइए।

.....

7) चालू खाते की तुलना में बचत बैंक खाते का एक फायदा लिखिए।

.....

8) उन लोगों द्वारा खोले जाने वाले खाते का नाम लिखिए, जो एक निशिचित अवधि के लिए नियमित बचत करना चाहते हैं।

.....

9) आवर्ती जमा खाता खोलना एक विशेष प्रकार के लोगों के लिए उपयुक्त है। इसे स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

10) क्या आवर्ती जमा खाते को बंद कराने पर कोई अर्थ–दंड (पेनाल्टी) देना होगा, यदि हाँ तो कितना।

.....

.....

11) आवर्ती जमा राशि के लिए स्वीकृत पूर्णतावधि क्या है ?

12) एक प्रकार का बैंक खाता नियतावधि जमा खाता क्यों कहलाता है ?

.....

13) क्या नियतावधि जमा खाते में आहरण करने की अनुमति है ?

14) जमाराशि रखने वाला कोई धारक बैंक को कब नियतावधि जमा–रसीद दिखलाता है ?

उलझे–पुलझे शब्द

उलझे–पुलझे शब्द	संकेत	हल
तालू चाखा	मुख्यतया प्रतिदिन बहुत अधिक लेन–देनों के लिए प्रयुक्त खाता	
तखाब चता	वह खाता, जिसमें निधियों के जमा और आहरणों के लिए छूट/लचीलापन रहता है और जिसमें ब्याज भी मिलती है	
धितानियव माखाजता	इस खाते में जमाराशि को एक निश्चित अवधि से पहले आहरित नहीं किया जा सकता है।	

1) कोई व्यापार करने के लिए चलाने के लिए कौनसा खाता खोलना होगाः

   क) चालू खाता ख) आवर्ती जमा खाता

   ग) बचत बैंक खाता घ) नियतावधि जमा खाता

2) .....से धन की बचत करने और अपनी बचत को जमा करने के लिए प्रोत्साहन मिलता हैः

   क) चालू खाता ख) आवर्ती जमा खाता

   ग) बचत बैंक खाता घ) नियतावधि जमा खाता

3) ..... उन लोगों द्वारा खोला जाता है, जो नियमित बचत करना चाहते हैंः

   क) चालू खाता ख) आवर्ती जमा खाता

   ग) बचत बैंक खाता घ) नियतावधि जमा खाता

4) एक निश्चित धन–राशि जमा करके किसी विशेष नियत अवधि के लिए खोले गए खाते को..... .....कहा जाता हैः

   क) आवर्ती जमा खाता ख) नियतावधि जमा खाता

   ग) चालू खाता घ) बचत बैंक खाता

5) नियतावधि जमा हेतु दी गई ब्याज दर.....

   क) अवधि और राशि अनुसार भिन्न–भिन्न होती है ख) सभी बैंकों में एक समान होती है

   ग) अलग–अलग बैंकों में भिन्न होती है घ) क) और ग) दोनों

विषय : भुगोल
कक्षा : सात
सत्र : 2

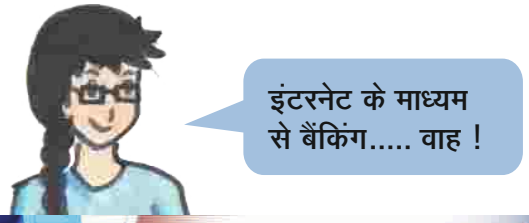

बैंकिंगः नई प्रौद्योगिकी साथ

नई प्रौद्योगिकी के साथ बैंकिंग

सूचना और संचार प्रौद्योगिकी में द्रुत/तेज विकास, जैसे कंप्यूटरों, मोबाइल फोन और इंटरनेट के व्यापक प्रयोग से भारतीय बैंक अपने ग्राहकों को अधिक विविधतायुक्त एवं सुविधाजनक सेवाएं देने में समर्थ हुए हैं। ऐसी कुछ प्रौद्योगिकी समर्थ सेवाओं के उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

तत्काल सकल निपटान

तत्काल सकल निपटान (आरटीजीएस) एक ऐसी प्रणाली है, जिसके द्वारा किसी बैंक में किसी ग्राहक के खाते से अन्य बैंक में किसी ग्राहक के खाते में निधियाँ अंतरित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक अनुदेश दिए जा सकते हैं। इससे विभिन्न शहरों में एक खाते से दूसरे खाते में निधियों के तत्काल अंतरण की सुविधा होती है। जैसा कि इसके नाम से प्रकट होता है इससे बैंकों के बीच निधियों का अंतरण 'तत्काल' आधार पर होता है। इस प्रकार हिताधिकारी के खाते में धनराशि तुरंत पहुँच सकती है और हिताधिकारी के बैंक का यह दायित्व है कि वह उक्त लेन–देन के आरंभ से दो घंटे में हिताधिकारी के खातें में धनराशि जमा करे। आरटीजीएस में लेन–देन का निपटान सकल आधार पर होता है, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक लेन–देन का स्वतंत्र रूप से निपटान होता है। ऐसे अंतरणों का अनुरोध करते समय बैंक को पूरा ब्योरा जैसे प्राप्तकर्ता का नाम, बैंक में खाता–संख्या, खाते का स्वरूप (बचत खाता या चालू खाता), बैंक का नाम, शहर और शाखा का नाम दिया जाना चाहिए ताकि धन–राशि हिताधिकारी के खाते में सही और द्रुत गति/तेजी से पहुँच सके। मूलतः यह बड़ी धन–राशियों का प्रेषण करने की प्रणाली है, जिसमें न्यूनतम 2 लाख रुपये की राशि त्वरित रूप से अंतरित की जाती हैं। यह सुविधा अपने निधि प्रबंधन हेतु बैंकों के लिए, बड़ी धन–राशियों के अंतरण हेतु कंपनियों के लिए और उन व्यक्तियों के लिए लाभकारी है, जिन्हें तत्काल भुगतान की आवयकता होती है।

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक निधि अंतरण या एनईएफटी वह प्रणाली है, जिसके द्वारा वह कोई व्यक्ति जो दूसरे व्यक्ति या कंपनी को भुगतान करना चाहता हो, अपने बैंक से संपर्क करके अपने खाते से सीधे प्राप्तकर्ता/हिताधिकारी के खाते में

निधियाँ अंतरित करने के लिए कह सकता है। एनईएफटी एक घंटे के बैचों में कार्य करता है और प्रत्येक निपटान चक्र के बाद निधियों का अंतरण हो जाता है। एनईएफटी में साप्ताहिक दिनों के दौरान बारह निपटान चक्र और शनिवार को छह निपटान चक्र होते हैं। दो घंटे की अवधि में हिताधिकारी के खाते में राशि अंतरित हो जाती है। ऐसे अंतरणों का अनुरोध करते समय बैंक को पूरा ब्योरा जैसे प्राप्तकर्ता का नाम, बैंक में खाता–संख्या, खाते का स्वारूप (बचत खाता या चालू खाता), बैंक का नाम, शहर और शाखा का नाम दिया जाना चाहिए ताकि धन–राशि हिताधिकारी के खाते में सही और द्रुत गति/तेजी से पहुँच सके।

एनईएफटी के माध्यम से धन अंतरण के लिए धनराशि की कोई न्यूनतम या अधिकतम सीमा नहीं है।

इंटरनेट बैंकिंग

इंटरनेट बैंकिंग से लोग बैंक शाखा में जाए बिना, इंटरनेट के द्वारा कहीं से और किसी समय बैंकिंग गतिविधियाँ कर सकते हैं। ऑनलाइन बैंकिंग के माध्यम से लोग किसी समय अपने बैंक खाते की सूचना प्राप्त कर सकते हैं और सभी प्रकार के नेमी स्वरूप के लेन–देन जैसे धन अंतरण, शेष राशि की जानकारी प्राप्त करना और बिल भुगतान कर सकते हैं। इंटरनेट की पैठ वाला कोई व्यक्ति अपने बैंक के पास पंजीकरण करा के ऑनलाइन बैंकिंग की सुविधा प्राप्त कर सकता है। ऑनलाइन बैंकिंग को इंटरनेट बैंकिंग, ई–बैंकिंग, वेब बैंकिंग, वर्चुअल बैंकिंग आदि भी कहा जाता है।

मोबाईल बैंकिंग

मोबाईल बैंकिंग का आशय बैंकिंग गतिविधियों जैसे खाता शेषों की निगरानी, धनराशि अंतरण और बिलों के भुगतान कार्य के निष्पादन हेतु सेलूलर फोन का प्रयोग करने से है। ऑनलाइन बैंकिंग की भाँति मोबाइल बैंकिंग की सुविधा का लाभ उठाने के लिए ग्राहक को अपने बैंक के पास पंजीकरण कराने की आवश्यकता है। गत कुछ समय पहले तक अधिकांश मोबाईल बैंकिंग सुविधाएं एसएमएस के माध्यम से प्रदान की जाती थीं इसलिए इन्हें एसएमएस बैंकिंग के नाम से जाना जाता था।

अभ्यास

सच या झूठ

1) एनईएफटी के माध्यम से धन अंतरण के लिए धनराशि की कोई न्यूनतम या अधिकतम सीमा नहीं है।
.....

2) ऑनलाइन बैंकिंग की सुविधा प्राप्त करने के लिए आपको अपने बैंक के पास पंजीकरण कराना होगा।.
.....

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1) आरटीजीएस क्या है?
.....

2) एनईएफटी क्या है?
.....

3) इंटरनेट बैंकिंग क्या है?
.....

4) मोबाइल बैंकिंग क्या है?
.....

5) आरटीजीएस सुविधा का अनुरोध करते समय बैंक को प्रस्तुत किए जाने वाले विभिन्न ब्यार की सूची बनाइए।
.....
.....

6) आरटीजीएस के द्वारा न्यूनतम कितनी राशि अंतरित की जा सकती है ?.....

7) एनईएफटी के द्वारा कितनी न्यूनतम राशि अंतरित की जा सकती है ?.....

8) इंटरनेट बैंकिंग के अन्य नाम क्या हैं ?

.....

9) एनईएफटी और आरटीजीएस में अंतर स्पष्ट काजिए।

.....

.....

निम्नलिखित के सही जोड़े बनाइए:

1) आरटीजीएस	क) मोबाइल के द्वारा किए गए बैंकिंग कार्य–कलाप
2) एक घंटे के आधार पर अंतरित निधियाँ	ख) इंटरनेट बैंकिंग
3) मोबाइल बैंकिंग	ग) एनईएफटी
4) ऑनलाइन बैंकिंग	घ) अंतरित की जाने वाली न्यूनितम राशि रु. 2 लाख

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1) आरटीजीएस में लेन–देन का निपटान .....पर होता है ।
2) एनईएफटी में साप्ताहिक दिनों के दौरान ..... निपटान चक्र और शनिवार को ..... निपटान चक्र होते हैं।
3) वर्चुअल बैंकिंग को ..... भी कहा जाता है।
4) जब एसएमएस के द्वारा मोबाइल बैंकिंग सेवा प्रदान की जाती है तो इसे .....कहा जाता है।
5) एनईएफटी में हिताधिकारी के खाते में..... घंटे में राशि जमा हो जाती है।
6) आरटीजीएस के द्वारा अंतरित की जाने वाली न्यूनतम राशि ..... है।

1) किस प्रणाली के अंतर्गत अंतरित किए जाने की न्यूनतम धन–राशि दो लाख रुपए होनी चाहिए ?
   क) आरटीजीएस ख) एनईएफटी
   ग) इंटरनेट बैंकिंग घ) मोबाइल बैंकिंग

2) ..... से कोई व्यक्ति इंटरनेट के माध्यम से बैंकिंग कार्य–कलाप कर सकता है।
   क) आरटीजीएस ख) एनईएफटी
   ग) इंटरनेट बैंकिंग घ) मोबाइल बैंकिंग

3) .....से सेलूलर फोन का उपयोग करके कुछ बैंकिंग कार्य–कलाप किए जा सकते हैं।
   क) आरटीजीएस ख) एनईएफटी
   ग) इंटरनेट बैंकिंग घ) मोबाइल बैंकिंग

4) एनईएफटी में साप्ताहिक दिनों में कितने निपटान चक्र होते हैं?
   क) 2 ख) 12
   ग) 14 घ) 11

5) आरटीजीएस में बैंकों के मध्य निधियों का अंतरण.....पर होता है।
   क) बेतरतीब (रैंडम) समय आधार ख) तत्काल आधार
   ग) मोटे (रफ) समय आधार घ) वास्तविक कुल आधार

6) निम्नीलिखित में क्या सच है?
   क) इंटरनेट बैंकिग का अर्थ बैंकिंग के लिए सेलूलर फोन का उपयोग करना है।
   ख) ऑनलाइन बैंकिंग को वर्चुअल बैंकिंग भी कहा जाता है।
   ग) एनईएफटी के द्वारा निधि अंतरण के लिए एक विशेष खाते की अवश्यकता होती है।
   घ) एनईएफटी के द्वारा निधि अंतरण हेतु धनराशि की न्यूनतम और अधिकतम सीमा है।

विषय : अंग्रेजी
कक्षा : सात
सत्र : 1

उतने पांव पसारिए जितनी लंबी सौर अर्थात अपने स्वयं के साधनों में गुजर करना

अपने स्वयं के साधनों में गुजर करना

स्नेहा ग्यारह साल की एक खुश–मिजाज छोटी लड़की थी, जो अपने मम्मी –पापा और दादी के साथ रहती थी। जब दीपावली आई तो उसके पापा उसके लिए बहुत से उपहार लेकर आए। स्नेहा बहुत प्रसन्न थी और वे उपहार दिखाने के लिए वह अपनी दादी के कमरे में गई, ''दादी देखो, पापा मेरे लिए बहुत सारे दीपावली उपहार लेकर आए हैं।''

दादी ने अपनी पत्रिका से, जिसको वह पढ़ रही थी, नजर हटाते हुए देखा और बोलीं, ''तुम्हारे पापा बहुत अच्छे हैं। ये खिलौने तो बहुत महँगे होंगे।'' ''हाँ'' स्नेहा ने कहा,। ''वह मेरे लिए एक बार्बी डॉल भी लाए थे, जो बहुत महँगी है और उन्होने मुझे और खिलौने भी लाकर दिए थे, जिनकी मुझे जरूरत थी।'' वह थोड़ी देर रुकी और उसने पूछा, ''दादी, पापा के पास बहुत पैसा नहीं है, क्या उनके पास है इतना पैसा।'' उसकी दादी ने पत्रिका नीचे रख दी और बोली, ''तुम ऐसा क्यों कह रही हो?'' ''क्योंकि पापा कह रहे थे उनके पास पैसा नहीं है इसलिए उन्होने उसे कार्ड से खरीदा है,'' स्नेहा ने कहा। ''यदि आपके पास पैसा न हो तो जो कुछ भी खरीदना चाहें तो क्या उसे अपने कार्ड से खरीद सकते हैं, क्या ऐसा कर सकते हैं दादी?'' दादी ने एक गहरी साँस ली। ''कार्ड कंपनी को पैसा वापस करने के लिए फिर भी पैसे की आवश्यकता तो होगी,'' दादी ने कहा और उसकी ओर देखा पर स्नेहा तो अपने पापा द्वारा दिए गए एक खिलौने के साथ खेलने के लिए बाहर जा चुकी थी। दादी ने अपना सिर हिलाया और स्नेहा के पापा को ढूँढ़ने उठी।

अपनी माँ की चिंता पर ध्यान देते हुए स्नेहा के पापा ने कहा, ''खिलौनों के लिए मैंने डेबिट कार्ड से भुगतान किया है, जिससे सीधे मेरे खाते में से धन–राशि अदा हो जाती है। मैंने क्रेडिट कार्ड से भुगतान नहीं किया है, जिसका पैसा चुकाना यदि भूल गए तो तो ब्याज देना होता है और फिर कर्ज बढ़ता जाता है।''

अब स्नेहा को तो डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड में अंतर मालूम नहीं है। डेबिट कार्ड से हम जो खरीदारी करते हैं वह या एटीएम से निकाला गया धन हमारा अपना पैसा है, जो हमारे बैंक खाते में जमा होता है। दूसरी ओर क्रेडिट कार्ड से की गई खरीदारी एक ऋण है। इसके माध्यम से हम कुछ समय बाद भुगतान करने के वचन के आधार पर वस्तुएं खरीदने के लिए क्रेडिट कार्ड

जारीकर्ता, आमतौर पर बैंक से, उधार लेते हैं। बाद में भुगतान का यह समय, सामान्यतः 30 से 50 दिन का होता है। परंतु उस समय पर चुकाने के लिए हमारे पास पर्याप्त धन नहीं हुआ तो क्या होगा? कार्ड जारीकर्ता हमसे ब्याज और अपना वचन न निभाने के लिए जुर्माना भी लेगा। इससे हमारी ऋण राशि बढ़ती जाती है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण कि अपने स्वयं के संसाधनों या अपने पास उपलब्ध धन में ही अपनी गुजर की जाए और अनावश्यक रूप से धन उधार न लिया जाए। इस संबंध में एक पुरानी कहावत बहुत सटीक है: ''उतने पाँव पसारिए जितनी लंबी सौर।'' यहाँ सौर का अर्थ है रजाई।

अभ्यास

1) स्नेहा के पापा ने उसके लिए खरीदे खिलौनों का भुगतान कैसे किया था ?

.....

2) स्नेहा की दादी को किस संबंध में चिंता थी ?

.....

3) यदि हम अपने क्रेडिट कार्ड की देय राशि का समय पर भुगतान नहीं कर सके तो क्या होगा ?

.....

सच या झूठ

1) यदि आपके पास धनराशि नहीं हो तो फिर भी आप अपने डेबिट कार्ड का प्रयोग कर वस्तुएं खरीद सकते हैं। .....

2) यदि आप अपने डेबिट कार्ड का प्रयोग कर वस्तुअएं खरीदते हें तो आप धन उधार नहीं ले रहे होते हैं। .....

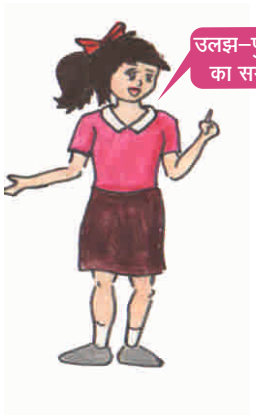

उलझे–पुलझे शब्द

उलझे–पुलझे शब्द	संकेत	हल
र्डका बिडेट	बिना नकदी के खरीदारी में सहायता करता है	
डिक्रेट र्डका	बिना नकदी के खरीदारी में सहायता करता है पर कर्ज बढ़ाता है।	

1) स्नेहा के पापा ने खिलौनों का भुगतान ..... से किया।

क) डेबिट कार्ड ख) ऋण

ग) क्रेडिट कार्ड घ) नकदी

2) .....से की गई खरीदारी एक ऋण है।

क) डेबिट कार्ड ख) ऋण

ग) क्रेडिट कार्ड घ) नकदी

विषय : अंग्रेजी
कक्षा : सात
सत्र : 2

गरीब व्यक्ति की दौलत

रामचंद्र और प्रेमचंद्र दो पड़ोसी थे। रामचंद्र एक गरीब किसान था और प्रेमचंद्र एक जमींदार।

रामचंद्र बेफिक्र और खुश रहता था। वह रात को अपने घर के दरवाजे और खिड़कियाँ बंद करने की कोई चिंता नहीं करता था। वह आराम से गहरी नींद सोता था। यद्यपि उसके पास कोई धन नहीं था पर वह शांतिपूर्ण व्यक्ति था।

प्रेमचंद्र सदैव बहुत तनाव में रहता था। रामचंद्र के विपरीत वह रात को अपने घर के दरवाजे और खिड़कियाँ बंद रखता था। वह ठीक से सो नहीं पाता था। उसे सदैव यह चिंता रहती थी कि कोई उसकी अलमारियों में सेंध लगा कर उसका धन चुरा सकता है। वह शांति से रहने वाले रामचंद्र से ईर्ष्या करता था।

एक दिन प्रेमचंद्र ने रामचंद्र को बुलाया और नकदी से भरा एक बक्सा उसे देते हुए उससे कहा, ''देखो मेरे प्यारे दोस्त भगवान की कृपा से मेरे पास बहुत दौलत है परंतु मैं देख रहा हूँ कि तुम गरीबी में गुजर कर रहे हो। यह नकदी लो और संपन्नता का जीवन बिताओ।''

रामचंद्र अत्यधिक प्रसन्न हुआ। दिन भर वह खूब खुश रहा। रात आई और रोज की तरह रामचंद्र सोने के लिए गया। परंतु आज उसे नींद नहीं आ रही थी। वह उठा और उसने अपने घर के दरवाजे और खिड़कियाँ बंद कर दिए। वह फिर भी नहीं सो सका। वह नकदी से भरे बक्से को ही देखता रहा। पूरी रात भर वह व्याकुल रहा।

जैसे ही दिन हुआ, रामचंद्र ने नकदी का बक्सा उठाया और उसे प्रेमचंद्र के पास ले गया। उसने यह कहते हुए वह बक्सा प्रेमचंद्र को वापस कर दिया, ''प्रिय दोस्त, मैं गरीब हूँ परंतु तुम्हारी दौलत ने मुझसे मेरी शांति छीन ली है। कृपया मुझे क्षमा करें और अपना धन वापस ले लें।''

धन से हर कोई चीज नहीं मिल सकती है। आपके पास जो कुछ है, उसमें संतुष्ट' रहना सीखें। आप सदैव प्रसन्न रहेंगे।

अभ्यास

1) प्रेमचंद्र रात को क्यो नहीं सो पाता था ?

.....

2) प्रेमचंद्र ने रामचंद्र को क्या दिया था ? उसका परिणाम क्या हुआ था ?

.....

1) यदि क्रेडिट कार्ड का प्रयोग कर उधार ली हुई धन–राशि चुकाने के लिए आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो .....

क) यदि आप गरीब हें तो जारीकर्ता बैंक आपको छोड़ देगा

ख) जारीकर्ता बैंक ब्याज लेगा ग) आपका बैंक खाता बंद कर दिया जायेगा

घ) आपको जेल भेज दिया जाएगा

2) प्रेमचंद्र रात को बहुत तनाव में क्यों रहता था ?

क) उसके घर में बहुत सारी मूल्योवान चीजें थीं

ख) उसे नींद की बीमारी थी ग) उसे अँधेरे से डर लगता था

घ) उसे डर था कि उसका धन चोरी हो जाएगा

3) रामचंद्र पूरी रात सो नहीं सका था क्योंकि .....

क) वह बीमार था ख) उसे नकदी भरे बक्से की चिंता थी

ग) बरसात हो रही थी घ) ठंडी हवा चल रही थी

4) रामचंद्र की शांति अर्थात् सुख–चैन किसने छीन लिया ?

क) गहने ख) सोना अर्थात स्वार्ण

ग) हवाएं घ) प्रेमचंद्र द्वारा दिया गया धन

क्या धन से आपको शांति मिल सकती है?
अपना धन सुरक्षित रखें.....

विषय : गणित
कक्षा : सात
सत्र : 1

खरीदारी पर जाइए

व्यक्त मूल्यः बड़ी दुकानों और डिपार्टमेंटल स्टोरों में प्रत्येक वस्तु या आइटम पर एक पर्ची लगी होती है और उस पर्ची पर उस वस्तु का मूल्य लिखा होता है। यह उस वस्तु का व्यक्त मूल्य कहलाता है। भारत में सामान्यतः इसे एमआरपी (मैक्सीमम रिटेल प्राइस) या अधिकतम खुदरा मूल्य कहा जाता है। एमआरपी, उत्पादक, वितरक या सरकार या विनियामक प्रधिकारी द्वारा निर्धारित किसी मद या वस्तु के मूल्य की उच्चतम सीमा है। कोई दुकान या मॉल ग्राहक से एमआरपी से अधिक मूल्य नहीं ले सकता है। कभी–कभी दुकानों में कुछ वस्तुएं एमआरपी से कम मूल्य पर मिलती हैं अर्थात ये दुकानें अधिकधिक ग्राहकों को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए मूल्य में कुछ छूट देती हैं। परंतु कुछ दूर–दराज के क्षेत्रों, पर्यटक स्थलों और ऐसी स्थितियों में, जहाँ उत्पाद की उपलब्धता कठिन होती है, वहाँ उपभोक्ताओं से अनियमित रूप से एमआरपी से अधिक मूल्य ले लिया जाता है।

विक्रय मूल्यः वह मूल्य, जो आप किसी आइटम के लिए दुकानदार को भुगतान करते हैं, विक्रय मूल्य या एसपी कहलाता है। यह मूल्य व्यक्त, मूल्य हो सकता है या नहीं भी हो सकता है।

लागत मूल्यः किसी वस्तु के उत्पादन पर खर्च हुई धन राशि को, जिसमें कोई लाभ शामिल नहीं होता है, लागत मूल्य या सीपी कहा जाता है।

लाभः जब विक्रय मूल्य, लागत मूल्य से अधिक हो तो उक्त अधिक राशि को लाभ कहा जाता है।

हानिः जब विक्रय मूल्य लागत मूल्य से कम हो तो इस कमी को हानि कहा जाता है।

अभ्यास

1) राहुल ने एक जोड़ी जूते खरीदे, जिन पर एमआरपी रु.500/– लिखा था परंतु दुकानदार ने उससे केवल रु.450/– ही लिए। छूट की राशि की गणना करें।

2) स्निग्धा के जन्म दिन पर उसकी मम्मी ने उसके लिए रु.300/– का एक पीजा खरीदा। यह कल्पना कीजिए कि पीजा का लागत मूल्य रु.180/– था और दुकानदार द्वारा लिए गए लाभ की गणना कीजिए।

3) दुकानदार एमआरपी से कम मूल्य पर वस्तुए क्यों बेचते हैं ?

.....

.....

4) एक पेन के विक्रय मूल्य और लागत मूल्य क्रमशः रु.10/– और रु.8/– हैं। राजू ने 5 पेन खरीदे। यद्यपि पेन के ऊपर एमआरपी रु.12/– लिखा हुआ है। 5 पेनों के लिए कुल लाभ और छूट की गणना करें। 1 पेन पर लाभ और छूट की भी गणना कीजिए।

उलझे–पुलझे शब्द

उलझे–पुलझे शब्द	संकेत	हल
यविक्र ल्मूय	वह मूल्य, जिसका हम वास्तव में दुकानदार को भुगतान करते हैं।	
तलाग यल्मू	बिना लाभ जोड़े किसी वस्तु के उत्पादन पर खर्च हुई धन राशि	

1) दुकानों या डिपार्टमेंटल स्टोरों में किसी उत्पाद पर लिखा हुआ मूल्य ..... है।

क) बाजार मूल्य ख) विक्रय मूल्यक
ग) छूट के बाद मूल्य घ) अधिकतम खुदरा मूल्य

2) कोई वस्तु खरीदने के लिए दुकानदार को हम जो मूल्य भुगतान करते हैं, उसे..... है।

क) बाजार मूल्य ख) विक्रय मूल्य
ग) छूट के बाद मूल्य घ) अधिकतम खुदरा मूल्य

3) बिना लाभ जोड़े किसी वस्तु के उत्पादन पर खर्च हुई धन राशि ..... है।

क) बाजार मूल्य ख) विक्रय मूल्य
ग) छूट के बाद मूल्य घ) लागत मूल्य

4) जब विक्रय मूल्य लागत मूल्य से अधिक हो तो दोनों में अंतर को .....कहते हैं।

क) हानि ख) लाभ
ग) सुरक्षा मार्जिन घ) न लाभ और न हानि

5) जब विक्रय मूल्य लागत मूल्य से कम हो तो दोनों में अंतर को .....कहते हैं।

क) लाभ ख) हानि
ग) सुरक्षा मार्जिन घ) न लाभ और न हानि

विषय : गणित
कक्षा : सात
सत्र : 2

साधारण ब्याज की दरें

जैसा कि हम सभी जानते हैं, धन उधार लेने की कीमत चुकानी पड़ती है अर्थात् आपको उसके लिए ब्याज देना होता है। उसी प्रकार जब हम बैंक खाते में धन जमा करते हैं तो हमें भी ब्याज मिलता है। ब्याज की गणना एक निश्चित समयावधि के लिए, परंपरागत रूप से एक वर्ष के लिए की जाती है। उक्त अवधि की समाप्ति पर ब्याज की गणना की जाती है और उसे मूलधन अर्थात् आपके द्वारा उधार ली गई या जमा की गई प्रारंभिक राशि में जोड़ दिया जाता है। इस प्रकार गणना की गई ब्याज को साधारण ब्याज और जिस दर पर इसकी गणना की जाती है उसे साधारण ब्याज दर कहा जाता है।

साधारण ब्याज की गणना करने के लिए एक सूत्र है : $I = Prt$

जहाँ :

I = ब्याज
P = मूलधन
r = ब्याज की दर प्रतिशत
t = समय

प्रकरण अध्ययन

अपने दोस्तों के साथ सवारी करने के लिए जाने हेतु रोहन एक बाइक खरीदना चाहता था। उसने रु.400/– की बचत की थी परंतु बाइक रु. 6400/– में मिलती है। उक्त बाइक खरीदने के लिए आवश्यक शेष धन उधार लेने के लिए वह अपने पिता के पास गया। परंतु उसके पिता के पास अलग योजना थी। उन्होंने रोहन से कहा कि वह उनके बगीचे की सफाई करने में उनकी मदद करे, जिसके लिए वह उसे रु.500/– प्रत्येक महीने देंगे। इस प्रकार रोहन एक वर्ष में वह बाइक खरीद सकेगा। उसके पिता उसका बैंक खाता खुलवाने में मदद के लिए भी तैयार हो गए ताकि वह प्रत्येक महीने रु. 500/– बैंक में जमा कर सके और ब्याज कमा सके।

यह मानते हुए कि बैंक उसकी जमाराशियों पर 12 प्रतिशत वार्षिक की दर से साधारण ब्याज देने के लिए तैयार हो गया है, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

अभ्यास

1) गणना कीजिए और रोहन को बताइए कि वर्ष के अंत में उसके पास बैंक खाते में कितना धन होगा।

.....

.....

2) रोहन को कुल कितनी ब्याज प्राप्त होगी ?

.....

.....

3) वर्ष के अंत में उक्त बाइक खरीदने के लिए क्या रोहन के पास अपेक्षित धन राशि होगी ?

उलझे–पुलझे शब्द

उलझे–पुलझे शब्द	संकेत	हल
जाब्य	मूलधन पर हमें प्राप्त होने वाली राशि	
लनधमू	निवेश की गई राशि	
मसय	वे दिन, महीने या वर्ष, जिनके लिए राशि निवेश की गई थी	

1) वह राशि, जिस पर हमें ब्याज मिलता है वह .....कहलाती है।

क) मूलधन ख) ब्याज
ग) धन की रकम घ) राशि

2) .....वह राशि है, जो हमें निवेश किए गए मूलधन पर मिलती है।

क) मूलधन ख) ब्याज
ग) धन की रकम घ) राशि

3) हमें मूलधन पर एक निश्चित ..... के लिए ब्याज मिलता है।

क) वर्ष ख) समय
ग) समयावधि घ) दिन

4) साधारण ब्याज की गणना करने का सूत्र/फॉर्मूला है : .....

क) I = PQR ख) I = PQt
ग) I = Prt घ) I = Qrt

मैं I = Prt सूत्र का प्रयोग कर साधारण ब्याज की गणना करने जा रही हूँ

राशि ! वर्ग पहेली हल करने का समय

हाँ हम मजे से हल करेंगे

वर्ग पहेली

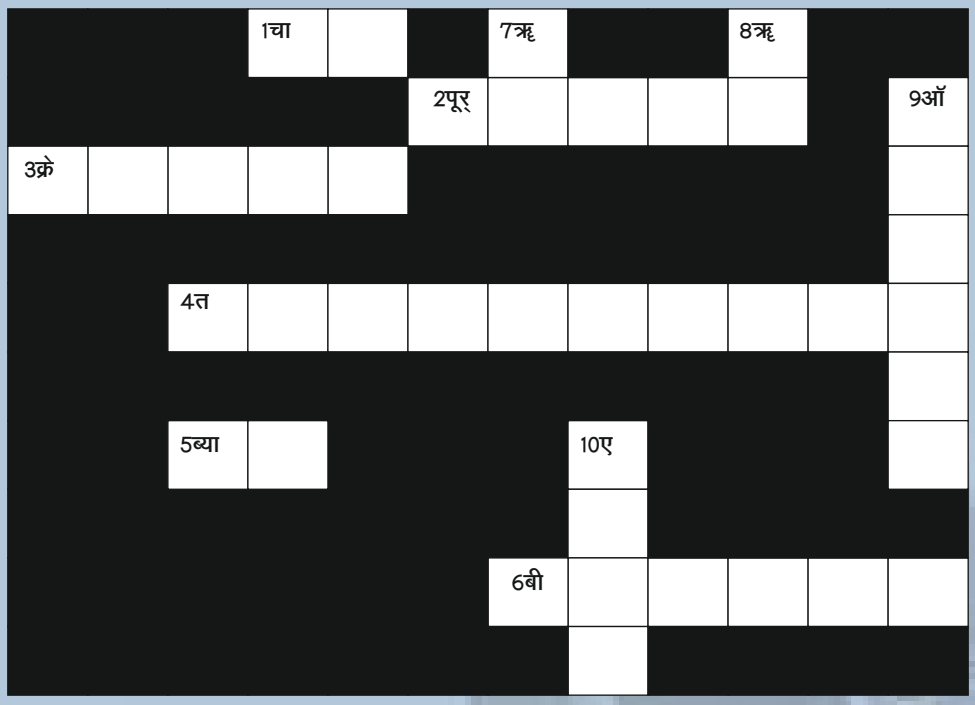

बाँये से दाँये

1. यह खाता व्यापार करने के लिए होता है और इसमें एक दिन में लेन–देनों की कोई सीमा नहीं होती है।
2. किसी ऋण अथवा नियतावधि जमाराशि की चुकौती की तारीख का समय।
3. एक प्रकार का अल्पा कालीन ऋण, जिससे आप बिना नकदी के खरीदारी कर सकते हैं।
4. एक ऐसी प्रणाली, जिसमें बैंकों के बीच भुगतान तुरंत निपटाए जाते हैं।
5. धन उधार लेने के लिए दिया गया अतिरिक्त मूल्य।
6. दुनियाँ का सबसे पुराना मौजूदा बैंक।

ऊपर से नीचे

7. कुछ शुल्क या क्षतिपूर्ति के साथ चुकाई जाने वाली धनराशि
8. किसी प्रयोजन विशेष के लिए बचाई गई धनराशि
9. एक इलेक्ट्रॉनिक युक्ति, जिससे बैंक शाखा में जाए बिना ही कुछ आधार–भूत बैंकिंग लेन–देन होते हैं।

आओ और वर्ग पहेली हल करें मुनाफ

खेल–खेल में सीखना कितना अच्छा लगता है !

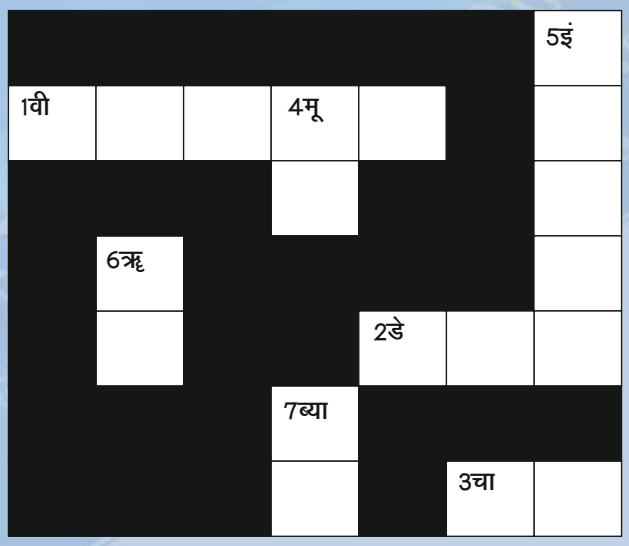

बाँये से दाँये

1. किसी वस्तु की खरीद पर दुकानदार को दिया गया मूल्य
2. नकदी आहरित करने और वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद हेतु बैंक खाते से संपर्क स्था पित करने वाला इलेक्ट्रानिक कार्ड
3. वह खाता, जो मुख्यतः व्यापार चलाने के लिए खोला जाता है और इसमें एक दिन में बहुत से लेन–देन हो सकते हैं।

ऊपर से नीचे

4. ऐसी आस्तियाँ, जो भौतिक स्वरूप की होती हैं।
5. किसी वित्तीय संस्था से उधार ली गई राशि, जो ब्याज के साथ चुकाई जाती है।
6. ऐसी प्रणाली, जिससे कहीं से और किसी भी समय बैंकिंग कार्य–कलाप किए जा सकते हैं।
7. उधार ली गई राशि की चुकौती पर शुल्क स्वरूप दी जाने वाली अतिरिक्त धनराशि

संक्षेपाक्षर

1. एटीएम : ऑटोमेटेड टैलर मशीन
2. पीआईएन : परसनल आइडेंटीफिकेशन नंबर
3. आरटीजीएस : रीयल टाइम सेटलमेंट सिस्टम
4. एनईएफटी : नेशनल इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर

संक्षेपाक्षर समय

उधार देना
महाराजा सवाई मानसिंह विद्यालय, जयपुर द्वारा लिपिबद्ध किया गया
चित्रांकन: माधव गुप्ता, बाल भारती विद्यालय, रोहिणी, दिल्ली
बैंकिंग
तनीशा पुरी

क्या कोई मुझे रु.20/– उधार दे सकता है ?
हाँ, जरूर!
हमारे माता–पिता धन कहाँ से उधार लेते हैं ?
बैंकों से
परंतु बैंक किसी को धन उधार क्यों देंगे ?
इसे ऋण कहते हैं, इससे बैंकों को फायदा होता है।
जब हम उक्त ऋण चुकाते हैं तो कुछ अतिरिक्त राशि देते हैं, जिसे ब्याज कहते हैं।
बैंक ब्याज कैसे निश्चित करते हैं?
भारतीय रिजर्व बैंक बैंकों की कार्य पद्धति का अधिशासन करता है। वह बैंकों के स्वस्थ कार्य संचालन के लिए दिशा–निर्देश प्रदान करता है। उनकी मदद के लिए भारतीय रिजर्व बैंक सदैव मौजूद है।
यदि इस प्रकार उनके कार्य में कोई समस्या आ गई तो ?
अब इंटरनेट बैंकिंगऔर मोबाइल बैंकिंग से बैंकिंग और भी आसान हो गई है!

नोट :

नोट :

प्रस्तुति

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
दिल्ली
असतो मा सद्गमय

राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र
National Centre for Financial Education